विभागीय आईक्यूएसी का प्रतिपुष्टि प्रपत्र

1. विभाग के दष्यता हेतु आश्वासन	उपलब्ध	प्रक्रियाधीन
अ. सूचना प्रदर्शन हेतु सूचना पट्ट		
ब. संकाय सदस्यों की सूचना हेतु बोर्ड		
स. स्वच्छ एवं सुसज्जित व्याख्यान कक्ष		
द. विभाग में प्रसाधन और पेयजल सुविधा की उचित सूचना पथ प्रदर्शन		
इ. संकाय, विभागीय कार्यालय और विभागाध्यक्ष नामपट्ट		
2. गुणवत्तापरक शिक्षा हेतु आश्वासन		
अ. पीएच.डी छात्रों हेतु संकाय सदस्यों की निजी शोध प्रयोगशालाएँ		
ब. कम्प्यूटर नेटवर्किंग सुविधा		
स. विभागीय पुस्तकालय		
द. एम.एससी. प्रयोगशाला हेतु सुसज्जित सुविधाएँ		
इ. 10.00 लाख से अधिक लागत वाले उपकरणों की विभागीय केन्द्रीय सुविधा		
3. पाठ्यक्रम डिजाइन एवं विकास		
4. शैक्षणिक लचीलापन		
5. पाठ्यक्रम पर प्रतिपुष्टि		
6. शिक्षण अधिगम मूल्यांकन		
7. शोध एवं परामर्श		
8. सहभागिता		
9. छात्र सहायता		

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर
विश्वविद्यालय, लखनऊ–226025
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

संकाय सदस्यों से फीडबैक

संकाय सदस्य का नामः पदनामः

विभागः कार्यभार ग्रहण करने की तिथिः

नोटः विश्वविद्यालय प्रणाली में बेहतर सुधार के लिए कृपया अपने बहुमूल्य मत और सुझाव दीजिए। प्रत्येक कथन के सापेक्ष पांच अंक का पैमाना दिया गया है। पाँच बिंदु क्रमशः दृढ़ता से सहमत (दृस), सहमत (स), तटस्थ (त), असहमत (अ) और दृढ़ता से असहमत (दृअ) है। आपकी प्रतिक्रियाओं को गोपनीय रखा जायेगा और केवल निर्दिष्ट उद्देश्य हेतु उपयोग किया जायेगा।

I. पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास

विवरण	दृस	स	त	अ	दृअ
1. चालू पाठ्यक्रम की लोकप्रियता और प्रासंगिकता सुनिश्चित करने का अध्ययन मंडल द्वारा ध्यान रखा जा रहा है।					
2. पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास में रोजगार को महत्व दिया जाता है।					
3. मुझे पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास पर अपने विचार प्रस्तुत करने की पूर्ण स्वतंत्रता दी गयी है।					
4. पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास के लिए विश्वविद्यालय की प्रणाली प्रभावी है।					
5. पाठ्यक्रम को समय–समय पर अद्यतन किया गया है।					
6. स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल में व्यवसाय और उद्योग जगत से प्रतिनिधित्व पाठ्यक्रमों के डिजाइन और बेहतर बनाने में सहायक है।					

पाठ्यक्रम के डिजाइन और विकास हेतु सुझावः

II. शिक्षण, सीखने, मूल्यांकन और अनुसंधान

विवरण	दृस	स	त	अ	दृअ
1. विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई गई प्रवेश प्रक्रिया प्रभावी है।					
2. विश्वविद्यालय मेधावी छात्रों को आकर्षित करने में सक्षम है।					
3. छात्र केन्द्रित सीखने के संसाधन विश्वविद्यालय में उपलब्ध है।					
4. संकाय सदस्य अपने ज्ञान एवं कौशल को अद्यतन कर रहे है।					

5. अध्ययन कक्ष में शिक्षण कार्य समय–सारणी के अनुसार हो रहा है।					
6. केन्द्रीय पुस्तकालय सूचना का प्रमुख स्रोत है।					
7. संकाय सदस्यों द्वारा पुस्तकालय का बेहतर ढ़ंग से उपयोग किया जाता है।					
8. पुस्तकालय का शोध अध्येताओं द्वारा बेहतर ढ़ंग से उपयोग किया जाता है।					
9. पुस्तकालय का छात्रों द्वारा बेहतर ढ़ंग से उपयोग किया जाता है।					
10. पुस्तकालय को बेहतर ढ़ंग से प्रबंधित किया जाता है।					
11. पुस्तकालय का समय सुविधाजनक है।					
12. नई पुस्तकों और पत्रिकाओं के अधिग्रहण हेतु अपनाई गयी प्रक्रिया है।					
• पुस्तकालय में सही शीर्षक एवं पत्रिकाएँ सुनिश्चित करनी है।					
13. विभाग में शिक्षण सहायक सामग्री पर्याप्त एवं अद्यतन है।					
14. शिक्षकों को पर्याप्त लर्निंग संसाधन प्रदान किये जाते है।					
15. शिक्षकों को शोध हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।					
16. शिक्षकों को सेमिनार/कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन आयोजित करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।					
17. शिक्षकों को सेमिनार/कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन में भाग लेने को प्रोत्साहित किया जाता है।					
18. शिक्षकों एक्सटेंशन सर्विस प्रोग्राम हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।					
19. शिक्षकों को उद्योग के साथ संबंध स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।					
20. शिक्षकों को परामर्श सेवाएँ लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।					
21. शिक्षकों की योग्यता को पहचाना जाता है।					
22. विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली प्रभावी है।					
23. विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रणाली प्रभावी है।					

शिक्षण, सीखने मूल्यांकन एवं शोध हेतु सुझावः

III. अवसंरचना

विवरण	दृस	स	त	अ	दृअ
1. अध्ययन कक्ष एवं फर्नीचर पर्याप्त मात्रा में है।					
2. संकाय सदस्यों एवं छात्रों हेतु प्रसाधन पर्याप्त मात्रा में है।					
3. भवन एवं फर्नीचर अच्छी तरह से अनुरक्षित है।					
4. प्रयोगशाला पर्याप्त रूप से सुसज्जित है। (जहाँ लागू हो)					
5. विभाग में उपलब्ध संरचना का बेहतर ढ़ंग से प्रयोग किया जाता है।					
6. पर्याप्त पार्किंग सुविधा उपलब्ध है।					
7. सड़कें पूर्णतः अनुरक्षित है।					
8. जल संसाधन की सुविधा पर्याप्त रूप से उपलब्ध है।					
9. स्वच्छ पेयजल उपलब्ध है।					
10. खेल–कूद की अवसंरचना पर्याप्त रूप से उपलब्ध है।					

अवसंरचना में सुधार हेतु सुझावः

IV. प्रशासन

विवरण	दृस	स	त	अ	दृअ
1. प्रशासन ईमानदारी से संस्थान के विकास हेतु प्रयास कर रहा है।					
2. प्रशासन सुलभ है।					
3. पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान उठाए गई गुणवक्तापूर्ण पहल किसी सुधार हेतु योगदान दे रहे है।					
4. विश्वविद्यालय द्वारा हस्ताक्षरित एमओयूएस संस्थानों और अनुसंधान संगठनों के साथ पारस्परिक सहयोग की गुंजाइश बढ़ाते हैं।					
5. संकाय सदस्यों को अपने विचारों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है।					
6. आईक्यूएसी संस्थान में गुणवत्ता के प्रोत्साहन हेतु कार्य कर रही है।					
7. विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों एवं उनके परिवार को पर्याप्त सहायता एवं अवसर प्रदान कर रही है।					

प्रशासन में सुधार हेतु सुझावः

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर
विश्वविद्यालय, लखनऊ–226025

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

नोटः शिक्षण अध्ययन वातावरण की गुणवत्ता को मजबूत करने और शिक्षण एवं सीखने में उत्कृष्टता लाने व छात्रों के साथ अध्ययन कक्ष में शिक्षक के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के अवसरों की तलाश करने के लिए छात्रों से फीडबैक लेने के लिए बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रश्नावली को तैयार किया गया है।

.....

विभाग/संस्थान का नाम .....

कक्षा..... **सत्र**..... **सेमेस्टर**.....

अध्यापक का नामः..... **शिक्षण विषय एवं पाठ्यक्रम सं**.....

सत्र/सेमेस्टर में शिक्षक द्वारा दिये गये व्याख्यानों की कुल संख्या.....

फॉर्म भरने वाले छात्र की कक्षा में उपस्थित की सं.(प्रतिशत में) .....

(यदि फॉर्म भरने वाले छात्र की उपस्थिति 75% से कम है तो वह फार्म न भरे।)

निम्न तालिका में प्रत्येक बिंदु के लिए उपयुक्त विकल्प टिक (√) करें।

रेटिंग ➡ विषय ⬇		(औसत से कम) 1	(औसत) 2	(अच्छा) 3	(बहुत अच्छा) 4	(उत्कृष्ट) 5
अ.	**समय बोध**					
1.	कक्षा में समय का पालन					
2.	कक्षाएँ लेने में नियमितता					
3.	उस शिक्षक की कक्षा में छात्रों उपस्थिति जिनका मूल्यांकन किया जा रहा है।					
4.	कोर्स के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समय से पूर्ण करना।					
5.	असाइनमेंट, क्लास टेस्ट, क्वीज और सेमिनार का नियमित आयोजन।					
6.	छात्रों की अनुपस्थिति की स्थिति में वैकल्पिक कक्षा की व्यवस्था करना					
	उप योग (अ)					

ब.	**विषय पर अधिकार**					
7.	पाठ्यक्रम पर फोकस करना					
8.	आत्म विश्वास					
9.	संप्रेषण कौशल					
10.	अध्ययन कक्ष चर्चाओं का संचालन करना					
11.	विषय का अध्यापन करना					
12.	संरचित व्याख्यान देना					
रेटिंग ➡ विषय ⬇		**(औसत से कम) 1**	**(औसत) 2**	**(अच्छा) 3**	**(बहुत अच्छा) 4**	**(उत्कृष्ट) 5**
13.	विषय को जीवन के अनुभव से जोड़ने और विषय में रूचि पैदा करने का कौशल					
14.	विषय क्षेत्र की नवीनतम घटनाओं को बताना					
	उप योग (ब)					
स.	**शिक्षणविधियों/शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग**					
15.	शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग (ओएचपी/सूचनापट्ट/पीपीटी)					
16.	ब्लैक बोर्ड/व्हाइट बोर्ड पर कार्य की दृश्यता और संरचना के संदर्भ में सुगमता					
17.	नवीनतम शिक्षण विधियों का प्रयोग					
18.	क्लास टेस्ट/सेमेस्टर टेस्ट के पश्चात् क्लास टेस्ट और सेमेस्टर टेस्ट के प्रश्नपत्रों के उत्तरों पर चर्चा करना।					
19.	छात्रों को क्लास टेस्ट की जाँची गई उत्तर पुस्तिकाएं दिखाना					
20.	यह सुनिश्चित करना कि वह समझ गया/गयी है।					
	उप योग (स)					
द.	**सहयोगी रवैया**					
21.	छात्रों के विभिन्न शैक्षणिक हितों के प्रति सहयोगी दृष्टिकोण।					

22.	ई–रिसोर्स, ई–जर्नल, संदर्भ पुस्तकें, ओपेन कोर्स आदि के माध्यम से अध्ययन सामग्री छात्रों को उपलब्ध कराने में मदद कराना जो पुस्तकों में आसानी से नहीं मिलती है।					
23.	जाति और संस्कृत/पृष्ठभूमि से हटकर छात्रों की मदद करना।					
24.	लैंगिक भेद के बिना छात्रों की मदद करना					
25.	शारीरिक, भावनात्मक एवं सीखने की चुनौतियों का सामना करने में छात्रों की मदद करना।					
रेटिंग ➡ **विषय ⬇**		**(औसत से कम) 1**	**(औसत) 2**	**(अच्छा) 3**	**(बहुत अच्छा) 4**	**(उत्कृष्ट) 5**
26.	छात्रों में व्यवसायिक कौशल विकसित करना।					
27.	छात्रों को कॅरियर के लक्ष्यों का आभास कराने में मदद करना					
28.	छात्रों को उनकी ताकत एवं विकासात्मक जरूरतों का आभास कराने में मदद करना					
	उप योग (द)					
इ.	**प्रयोगशाला पारस्परिक विचार–विमर्श (केवल प्रयोगशाला वाले कोर्स हेतु)**					
29.	प्रयोगशाला की लॉगबुक/नोट बुक की नियमित जाँच करना।					
30.	प्रयोगशाला की पूरी अवधि के दौरान प्रयोगशाला में शिक्षकों की उपलब्धता					
31.	निर्देशों या प्रदर्शनों के सेट के माध्यम से प्रयोग करने में छात्रों की मदद करना।					
32.	प्रयोग में शामिल अध्ययन क्षेत्र का पता लगाने में छात्रों की मदद करना।					
33.	प्रयोग करने के लिए खुले अंतः दृष्टिकोण का अनुसरण करना।					
34.	प्रयोगशाला सेमिनार, समूह चर्चा आदि के संचालन में रूचि लेना।					
	उप योग (द)					

फ.	कक्षा नियंत्रण					
35.	नियंत्रण तंत्र द्वारा कक्षा को प्रभावी ढंग से संचालित करना।					
36.	कक्षा में छात्रों की भागीदारी।					
37.	छात्रों को अनुचित व्यवहार से निपटने का कौशल					
38.	छात्रों से विषय–वस्तु पर मत और प्रश्न आमंत्रित करने की प्रवृत्ति					
39.	न्यायसंगत सुदृढ़ीकरण तंत्र द्वारा सीखने को बढ़ावा देना					
रेटिंग ➡ विषय ⬇		(औसत से कम) 1	(औसत) 2	(अच्छा) 3	(बहुत अच्छा) 4	(उत्कृष्ट) 5
40.	नैतिक आचरण हेतु छात्रों को प्रेरित करना।					
41.	प्रेरणास्रोत के रूप में कार्य करना।					
	उप योग (फ)					
	कुल योग (अ+ब+स+द+इ+फ)					

अतिरिक्त टिप्पणी (यदि कोई हो): .....

.....

.....

.....

(कृपया इसे उपरोक्त रेखा से काट ले और इसे अलग जमा करें)

छात्रा का नाम .....

विभाग/संस्थान का नाम.....

शिक्षक का नाम जिसका मूल्यांकन हुआ है .....

शिक्षक द्वारा पढ़ाये गये पाठ्यक्रम का शीर्षक एवं पाठ्यक्रम की संख्या.....

सत्र..... कक्षा..... सेमेस्टर..... अनुक्रमांक सं.....

दिनांक.....

छात्र के हस्ताक्षर